जलवायु परिवर्तन • ऑस्ट्रेलिया में चॉकलेट के दाम 200% तक बढ़े, वहीं अर्जेंटीना में गेहूं की कीमतें बढ़ी

मौसम की वजह से दुनिया भर में खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ रहे

हिमांशु गुप्ता

जलवायु परिवर्तन का असर कई क्षेत्रों में महसूस हो रहा है। हजारों किलोमीटर दूर होने वाले बदलाव की कीमत हम सभी को चुकाना पड़ती है। प्लेन की टिकट, कपड़े से लेकर हमारा खान-पान तक महंगा हो गया है। भूमध्य सागर क्षेत्र में भीषण सूखे के कारण स्पेन में जैतून की पैदावार 40% कम हो गई। नतीजतन पिछले साल अमेरिका में ऑलिव तेल के मूल्य 27% बढ़ गए। इस साल ऑस्ट्रेलिया में कुछ चॉकलेट्स की कीमतें भी 200% तक ज्यादा रहीं। घाना और आइवरी कोस्ट में कोका के किसान मौसम की मार से पीड़ित हैं। इसका असर अमेरिका पर पड़ेगा।

बड़ी मात्रा में गेहूं पैदा करने वाले अर्जेंटीना में मौसम बिगड़ने से खाद्य पदार्थों के मूल्य बढ़ गए। पास्ता, ब्रेड सहित कई जरूरी फूड प्रोडक्ट प्रभावित हुए हैं। 2021 के बाद गेहूं की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव आया है। अर्जेंटीना में गेहूं की पैदावार 2021 में कम हुई थी तो 2023 में रूस-यूक्रेन युद्ध ने सप्लाई चेन को अस्त व्यस्त कर डाला। फूड कंपनियों ने कंज्यूमर प्रोडक्ट के मूल्य बढ़ा दिए। क्लाइमेट एआई के सीईओ हिमांशु गुप्ता कहते हैं, 'मैं अब कैलिफोर्निया में रहता हूं। वहां गेहूं के दाम बढ़ने का अर्थ पास्ता के मूल्य में एक डॉलर की वृद्धि है। भारत में रहने वाले मेरे परिवार के लोगों को अनाज के मूल्य बढ़ने की वजह से शिक्षा जैसे खर्च में कटौती करना पड़ी है। खाने के दाम बढ़ने पर मेरे तीन भाइयों ने स्कूल के लिए पुरानी किताबें खरीदी थीं।' ऐसा ही पैटर्न अमेरिका में कम आय के परिवारों में देखा गया है। खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों के कारण वे ताजे की जगह डिब्बाबंद फल, सब्जियों का इस्तेमाल करने लगे हैं। यह चलन हमारी सेहत के लिए भी ठीक नहीं है।

फूड सप्लाई चेन के प्रति रुख में बदलाव की जरूरत है। अब तक जलवायु से निपटने के लिए देश या कंपनी के हिसाब से कदम उठाए जाते हैं। समय का तकाजा है कि वैश्विक चुनौती का ग्लोबल समाधान खोजा जाए। इसलिए इंटरनेशनल सप्लाई चेन पर सरकारों और कंपनियों को सामूहिक तौर पर सहयोग करना पड़ेगा। विश्व व्यापार संगठन, वर्ल्ड बैंक और सरकारों को जलवायु अनुकूलन योजनाएं बनाना होंगी। कमजोर सप्लाई चेन की पहचान और गेहूं, चावल जैसे जरूरी अनाज पर फोकस करके शुरुआत की जा सकती है।

मध्यम वर्ग और गरीबों पर ज्यादा असर

दुनिया में फूड सप्लाई चेन सबसे अहम हैं। उग्र मौसम, बढ़ता तापमान, पानी की कमी जैसी स्थितियों से उन्हें बड़ा खतरा है। फसलों की पैदावार और क्वालिटी प्रभावित होती है। इस समस्या में जलवायु परिवर्तन की बड़ी भूमिका है। लेकिन युद्ध जैसी घटनाओं ने इसे और अधिक बढ़ाया है। इसके बाद कई सरकारें अपने हितों की सुरक्षा के लिए कदम उठाती हैं। लेकिन, समस्या और अधिक बढ़ती है। किसानों सहित निम्न और मध्यम आय के लोग प्रभावित होते हैं।

हेल्थ • दिल की एक तिहाई बीमारियों का संबंध धूम्रपान से है

युवाओं में दिल की 80% बीमारी रोकना संभव

सारा क्लीन

20 से 30 साल की आयु में दिल की बीमारी दूर की बात लगती है। यह बुजुर्गों और ज्यादा आयु के लोगों को अधिक प्रभावित करती है। इसलिए विशेषज्ञ मानते हैं कि दिल की सेहत पर युवा रहते ध्यान देना चाहिए। उनका कहना है, युवा अवस्था में शारीरिक गतिविधि बढ़ाने से दिल स्वस्थ रहता है। दिल की बीमारियों की रोकथाम की बुनियाद एक्सरसाइज में है।

एनवाईयू मेडिसिन कॉलेज में कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ. निएका गोल्डबर्ग कहते हैं, दिल की 80% बीमारियों को रोकना संभव है। एरोबिक एक्सरसाइज, रेजिस्टेंस ट्रेनिंग जैसी कसरत दिल की बीमारियों को रोकने में असरकारी हैं। शारीरिक गतिविधि से दिल और फेफड़ों पर भार पड़ता है। उनमें दबाव सहन करने की क्षमता पैदा होती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने दिल के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए आठ महत्वपूर्ण आदतें बताई हैं। लाइफ्स एसेंशियल 8 सूची में सक्रिय रहने के साथ, पौष्टिक आहार खाने, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर नियंत्रित करने, तंबाकू छोड़ने, सही वजन बनाए रखने और भरपूर नींद लेने की सलाह देता है।

ड्यूक यूनिवर्सिटी मेडिसिन स्कूल में कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ. निशांत शाह कहते हैं, एक्सरसाइज के लिए 30 से 60 मिनट का समय रखा जा सकता है। एक सप्ताह में 300 मिनट या अधिक की शारीरिक गतिविधि के फायदे हैं। डॉ. शाह कहते हैं, अगर आप स्मोकिंग करते हैं तो हृदय और स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए उसे बंद करना जरूरी है। एक्सरसाइज शुरू करने से पहले तंबाकू छोड़िए। दिल से संबंधित एक तिहाई बीमारियों का संबंध स्मोकिंग से है।

धीरे-धीरे एक सप्ताह में 150 मिनट या 75 मिनट की मॉडरेट गतिविधि करें। साथ में दो बार वजन उठाने जैसी स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। एएचए ने पूरे शरीर के स्वस्थ रखने के लिए भी इसकी सिफारिश की है। डॉ. शाह कहते हैं, अधिक आयु होने पर शारीरिक गतिविधि शुरू करना मुश्किल होता है। यदि आप बीस से तीस वर्ष की आयु के बीच एक्सरसाइज की आदत डालेंगे तो उसे जीवन भर बनाए रखना आसान होगा।

ट्रेंड • इंटरनेट का युवाओं पर दुष्प्रभाव

सोशल मीडिया पर 45% युवा हिंसक कंटेंट पसंद करते हैं

गैरी बार्कर, एस्टा सोलेर

अमेरिका में युवाओं पर चल रही सबसे बड़ी स्टडी बताती है कि युवा असहाय महसूस करते हैं। वे स्वयं को सबसे अलग पाते हैं। 2023 में एक वेबसाइट ने अमेरिका में 18 से 45 वर्ष की आयु के पुरुषों पर स्टडी की थी। इसमें 18 से 23 साल के तीन में से दो लोगों ने कहा कि उन्हें कोई नहीं जानता है। 30% लोगों ने बताया कि वे सप्ताह में एक बार भी घर के बाहर किसी अन्य व्यक्ति से नहीं मिलते हैं। यानी वे बेहद अकेले जीवन बिता रहे।

45 फीसदी युवाओं ने बताया, वे इंटरनेट पर आक्रामक, नस्लवादी, महिलाओं से घृणा करने और लोकतंत्र विरोधी लोगों को पसंद करते हैं। युवाओं की ऑनलाइन दुनिया की समीक्षा बताती है कि उनकी ऑनलाइन कम्युनिटी वास्तविक जीवन से कई गुना अधिक है। स्टडी का सार है कि युवा पुरुष अपना अधिकतर समय वर्चुअल मीटिंग में बिताते हैं। वास्तविक जीवन से कटे होने के कारण युवाओं का झुकाव निगेटिव कंटेंट की तरफ बढ़ रहा है। वे महिला विरोधी और हिंसक कंटेंट देखने लगते हैं।

संडे प्रोफाइल टिम वाल्ज

उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी टिम वाल्ज ग्रामीण इलाकों में पार्टी की पहुंच बढ़ा सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प की टीम उन्हें खतरनाक उग्रवादी कहती है।

शिक्षक रह चुके हैं टिम ग्रामीण क्षेत्रों में लोकप्रिय

निक पोपली

डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति प्रत्याशी कमला हैरिस ने टिम वाल्ज को अपना प्रमुख सहयोगी चुना है। हैरिस कहती हैं, वाल्ज मध्यम वर्गीय परिवारों के मुद्दे उठाते हैं। इसलिए वे उपराष्ट्रपति के रूप में अच्छे सहयोगी साबित होंगे। उनका कहना है, हम यह चुनाव जीतेंगे। राष्ट्रीय मंच पर वाल्ज लगभग अनजान हैं। उन्होंने गवर्नर के रूप में मिनेसोटा राज्य में अपना प्रगतिशील एजेंडा लागू किया है। उनके आने से खासतौर से ग्रामीण इलाकों और निर्णायक राज्यों में हैरिस की स्थिति में सुधार होगा।

वाल्ज 12 साल तक रिपब्लिकन प्रभाव के इलाके दक्षिण मिनेसोटा डिस्ट्रिक्ट से संसद चुने जा चुके हैं। पिछले कुछ सप्ताहों में हैरिस के आक्रामक बचाव से उन्होंने चुनाव क्षितिज पर तेजी से लोगों का ध्यान खींचा है। वाल्ज बार-बार रिपब्लिकन पार्टी के एजेंडा को अजीब और भयानक बताते हैं। बाद में हैरिस ने स्वयं इस तर्ज पर ट्रम्प पर हमला बोला है। वाल्ज एक छोटे शहर नेब्रास्का के हैं।

मैनकाटो में मिनेसोटा का गवर्नर रहते हुए वाल्ज ने गर्भपात के अधिकार के नियम बनाए, मनोरंजन के लिए मारिजुआना के सेवन को कानूनी घोषित किया और फैमिली लीव को पेड बनाने जैसे प्रगतिशील फैसले किए। उन्होंने बच्चों को स्कूलों में मुफ्त भोजन, कम आय परिवारों के छात्रों को सरकारी कॉलेजों में ट्यूशन फीस से छूट और हेल्थ इंश्योरेंस जैसे कदम भी उठाए हैं। ग्रामीण इलाकों में पैठ रखने वाले वाल्ज की मौजूदगी हैरिस की शहरी इमेज को संतुलित करेगी। वे एक साधारण व्यक्ति की इमेज पेश करते हैं। हालांकि रिपब्लिकन पार्टी कहती है कि उनकी नीतियां मतदाताओं के बड़े वर्ग के दायरे से बाहर हैं। वाल्ज पर मिनेसोटा का झुकाव वामपंथी नीतियों की ओर करने के भी आरोप लगते हैं। 2020 में अश्वेत जार्ज फ्लॉयड की मौत के बाद भड़की हिंसा को काबू करने में विफलता के लिए भी वाल्ज पर प्रहार होते हैं।

> वाल्ज एक पब्लिक स्कूल में शिक्षक रह चुके हैं। उन्होंने हाईस्कूल फुटबॉल टीम की कोचिंग की है और 24 साल तक आर्मी नेशनल गार्ड में नौकरी भी की है।

(© 2018 Time Inc.) सर्वाधिकार सुरक्षित। टाइम मैग्जीन से अनुवादित और Time Inc. की अनुमति से प्रकाशित। पूर्व अनुमति के बिना किसी भी भाषा में पूरा या आंशिक रूप में प्रकाशित करना प्रतिबंधित। टाइम मैग्जीन और टाइम मैग्जीन लोगो Time Inc. के रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क हैं। इनका उपयोग अनुमति लेकर किया गया है।

मैनेजमेंट फंडा

एन. रघुरामन, मैनेजमेंट गुरु • raghu@dbcorp.in

स्टूडेंट एक्सचेंज पुरानी बात हुई, अब फ्रेंडशिप एक्सचेंज की बारी

संडे स्पेशल

कुमार साल में सिर्फ दो महीने मेरे दोस्त हुआ करते थे। बाकी के दस महीने हमारी कभी बात नहीं होती थी, क्योंकि हमारे घर में न तो टेलीफोन था और न ही हमारे पास एक-दूसरे को पोस्टकार्ड लिखने के लिए 15 पैसे होते थे। लेकिन दस साल की अपनी स्कूली पढ़ाई के दौरान गर्मियों की छुट्टियों में हम नियमित मिलते रहे। हम एक-दूसरे के घरों में से किसी के भी यहां खाना खा लेते थे और कभी-कभी तो दोनों घरों में एक-एक कर भोजन किया करते थे, लेकिन इससे किसी को परेशानी नहीं होती थी। हमारी माताएं सहपाठी थीं और मंदिरों का शहर कहलाने वाले कुम्भकोणम से 6 किमी दूर, अपने पैतृक गांव उमयालपुरम में आमने-सामने के घरों में रहती थीं। कुमार के पिता का निधन जल्दी हो गया था, इस कारण उनकी मां अपने माता-पिता के घर लौट आई थीं। कुमार अपने नाना के घर पले-बढ़े और मैं जब भी अपने नाना के यहां जाता था, गर्मियों की छुट्टियां उनके साथ बिताता था।

कुमार ने कभी अपना गांव नहीं छोड़ा, जिसकी आबादी कभी भी एक हजार से अधिक नहीं रही। उन्होंने परिवहन निगम में काम किया, वहीं से रिटायर हुए और उसी घर में अपनी 84 वर्षीय मां के साथ जीवन बिता रहे हैं। बीते 40 सालों के अपने कामकाजी जीवन के दौरान मैं उनसे पांच से अधिक बार मिलने नहीं गया होऊंगा, लेकिन हम फोन के जरिए जुड़े रहे। हमारी दोस्ती की खूबसूरती यह है कि जब वो मुझसे मिलने मुम्बई आए तो मेरी जीवनशैली या इस महानगर की चमक-दमक से आतंकित नहीं हुए। मैं उनकी सादा जीवनशैली से हमेशा प्रभावित रहा, जिसमें वॉशिंग मशीन, एसी, बड़ी स्क्रीन वाली टीवी जैसी चीजों तक का अभाव था। उनके पास सुविधा के नाम पर एक स्कूटर ही था, जिसकी मदद से वे रोजमर्रा की खरीदारी करते थे और जरूरत पड़ने पर परिवार के सदस्यों को डॉक्टर के यहां ले जाया करते थे। मैं अपनी युवा बेटी के साथ तीन बार उनके घर जाकर ठहरा था, ताकि बेटी को इस बात का अनुभव करवा सकूं कि गांवों का जीवन कितना सुंदर होता है। इस तरह के अनुभव बच्चों को विनम्र, उदार व यथार्थवादी बनाए रखते हैं। मुझे अपने अतीत की यह याद तब आई, जब मैंने पढ़ा कि अमेरिकी पैरेंट्स अपने टीनएजर बच्चों के लिए गांव और शहर की अदला-बदली कर रहे हैं, ताकि उन्हें अपनी स्थापित धारणाओं से मुक्त करा सकें। चूंकि वे स्कूली बच्चे राजनीतिक, नस्लीय, जातीय, सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक रूप से एक-दूसरे से भिन्न हैं, इसलिए सैकड़ों स्कूल अब उन्हें ऐसे अनुभव प्रदान कर रहे हैं, जिनकी मदद से वे दूसरों के प्रति मानवीय रवैया अख्तियार कर सकें और बाद में उन्हें शत्रुता की दृष्टि से न देखें। द अमेरिकन एक्सचेंज प्रोजेक्ट शहरों में पले-बढ़े लॉस एंजेलिस के टीनएजर्स को अरकंसास, ओहायो, साउथ डकोटा के ग्रामीण इलाकों में भेज रहे हैं, वहीं इन उपरोक्त स्थानों सहित टेक्सास, पेन्सिलवेनिया आदि के आंचलिक स्थानों के बच्चे लॉस एंजेलिस आ रहे हैं। इस प्रकार महानगर के सैकड़ों बच्चों ने ग्रामीण जीवन और गांवों के सैकड़ों बच्चों ने महानगर के जीवन का अनुभव किया। ग्रामीण परिवारों ने शहरी बच्चों का भावभीना स्वागत किया और उन्हें स्थानीय गिरजाघर में ले जाते हुए आसपास के इलाकों की सैर कराई। वहीं शहरी परिवारों ने ग्रामीण बच्चों को मेट्रो ट्रेन की यात्रा करवाई और थिएटरों, प्रदर्शनियों, संग्रहालयों आदि में ले गए। उन्होंने उन्हें शहरी यातायात और फास्ट-फूड जीवनशैली का अनुभव भी कराया। इस प्रकार के अनुभवों से शहरी और ग्रामीण बच्चों के बीच परस्पर समझ और तालमेल का विकास हुआ और उन्हें यह अहसास हुआ कि हम जीवन के तमाम पहलुओं को नहीं जान सकते और इसके चलते कोई किसी से कमतर नहीं है। तो इस रविवार को आप भी अपने बच्चों को किसी ग्रामीण इलाके में ले जाएं और उन्हें उस जीवन का अनुभव कराएं। कभी-कभी ग्रामीण बच्चों को भी अपने घरों में सप्ताहांत के लिए निमंत्रित करें।

फंडा यह है कि अपने स्तर पर एक फ्रेंडशिप एक्सचेंज प्रोग्राम की शुरुआत करें, ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को अधिक उदार और सहिष्णु बना सकें।

जैकेट का शेष

आओ बच्चों ... ▪ **आप मुंबई में रहते हैं। चित्रकार एलन शॉ बर्लिन में और सुशील शुक्ल भोपाल में रहते हैं। इस संग्रह की पूरी वर्किंग आपने जूम मीटिंग्स पर की। आप अगर एक साथ बैठते तो और क्या अलग होता?** साथ बैठते तो एलन को बर्लिन से और सुशील को भोपाल से फ्लाइट ले-लेकर मुझ तक आना पड़ता। बात तो फोन पर भी हो सकती थी। पर आधुनिक तकनीक हमें यह सुविधा देती है कि हम चेहरे भी देख सकते हैं, बात भी सुन सकते हैं। मेरी किसी बात पर आपका रिएक्शन क्या है, वह भी दिख जाता है। ▪ **इस कीमती वक्त में बच्चे आपके लिए इतने अहम क्यों हैं?** मुझे लगता है कि हमारे यहां राइटर्स बच्चों के लिए लिखना बाएं हाथ का खेल समझते हैं, बहुत कैजुअल सोच के साथ लिखते भी हैं। वही, संडे कॉलम में कुछ तुकबन्दियां कर देंगे- कितने हरे पत्ते हैं देखो कितने सच्चे हैं और फूल कितने अच्छे हैं... वही नसीहतें, हिदायतें, सीख। बच्चों को ऐसी कविताएं चाहिए, जिनसे वे खेल सकें। जैसे समय पोस्ट में आपको मिलेगा- 'आपा की आपड़ी, पानी में जा पड़ी।' इसी तरह के कई किरदार समय पोस्ट में हैं। अण्टा गफील नाम के हकीम हैं, जो अजीब तरह के इलाज बताते हैं। यानी किताब की थीम ऐसी होनी चाहिए, जो बच्चों को पसंद आ सके। अगर थीम बच्चों को नापसंद है तो बड़ों को भी कभी पसंद नहीं आ सकती। और बच्चों की क्यूरोसिटी और ह्यूमर दोनों मिलाकर कोई बात कही जाएगी तो जरूर पसंद आएगी। ▪ **बाल साहित्य पर सुकुमार रे की 100 साल पुरानी ऐतिहासिक अगड़म-बगड़म कृति 'आबोल-ताबोल' की कुछ महक क्या समय-पोस्ट में है?** सुकुमार रे, जो प्रख्यात फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे के पिता हैं, ने आबोल-ताबोल को उनके समय के अनुसार पेश किया। 'समय पोस्ट' में सुशील और मैं हमारे समय के सारे संवाद बच्चों से हर महीने करते थे। यकीनन समय पोस्ट का ट्रेडिशन और इन्स्पिरेशन वहां से है। । ▪ **आपका मानना है कि बच्चे उस्ताद हैं और हम सब शागिर्द, कैसे?** बिलकुल। किताबें लिखने और बच्चों को सिखाने की कोशिश में उनसे बहुत कुछ सीखना पड़ा, तब जाकर ये किताबें मुमकिन हुईं। उनकी बोली, देखने का चश्मा और सोचने की बेतकल्लुफ आजादी... सबसे सबक लिया। ▪ **किन उस्तादों का बच्चों पर किया बड़ा काम आपको पसंद आता है?** गुलजार : सबसे बड़ा नाम तो एक परिवार का है, रे परिवार का। उपेन्द्र किशोर से लेकर सत्यजीत रे, बेटे। उनकी बहिन, उनके बेटे। इनके अलावा एक बड़ा नाम है शंकर। जो शंकर वीकली निकालते हैं। साउथ में आरके लक्ष्मण बड़ा नाम है। उनका मालगुडी डेज अद्वितीय है।

पेज एक का शेष

21 और 23... सचिवालय से जुड़ी अपनी कई मांगों को कर्मचारी संघ कई बार मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री के समक्ष रख चुका है बावजूद इसके सरकार द्वारा कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाए गए है। इससे आहत होकर संघ ने आम सभा बुलाने का निर्णय लिया है। आम सभा सचिवालय के प्रांगण में होगी। जहां कर्मचारी नेता आगे की रणनीति तय करेंगे। हिमाचल प्रदेश सचिवालय सेवाएं कर्मचारी संघ के प्रधान संजीय शर्मा ने कहा कि सत्र के दौरान काम प्रभावित न हो इसलिए सत्र के बाद आंदोलन कर सकते हैं। इससे पहले सभी संघों ने आम सभा बुलाने का निर्णय लिया है, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी।

नाम परिवर्तन

मैं न. 4003059K सेवानिवृत्त NK(TS) नौहलू राम पुत्र श्री बशाखू राम गांव बखड़ोग, डाकघर शाला तहसील चच्योट, जिला मण्डी हि.प्र. घोषणा करता हूं कि मेरे आर्मी रिकार्ड में मेरे बेटे का नाम SOURAV CHAUHAN व जन्म तिथि 28.10.2010 गलत दर्ज हुई है जिसे ठीक करके सही नाम SAURAV CHAUHAN और जन्म तिथि 06.10.2010 दर्ज की जाए। संबंधित नोट करें।

नाम परिवर्तन

I, Savita Chauhan, w/o. Sh Rajeev Chauhan R/o. Block no. 56, HIG A-1, Sector -6, Parwanoo, Sub Teh. Parwanoo, Teh. Kasauli, Solan (HP), declare that I have changed my name from Savita to Savita Chauhan in all relevant documents. Concrened note please.

तिरुमला तिरुपति देवस्थानाम्स, तिरुपति
विपणन विभाग

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

विपणन विभाग, टी.टी. देवस्थानम को ई-निविदाओं के माध्यम से 20,70,000 पेपर प्लेट्स (सिल्वरफॉइल के साथ) की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। निविदा सूचना और निविदा विवरण के लिए वेब साइट http://www.tirumala.org और https://tender.apeprocurement.gov.in पर लॉग ऑन करें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें फोन नंबर: 0877-2264079, 2264555, फैक्स नंबर: 0877-2264554.

एक्जीक्यूटिव ऑफिसर

TTD - 40021(31)/1/2024- PRO SEC (Adv. No. 113) Date: 17.08.2024

कार्यालय ग्राम पंचायत घांघल विकास खंड धनोटू, जिला मंडी (हि.प्र.)

सर्वसाधारण जनता/फर्मों/ व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत घांघल में विकासात्मक कार्य मनरेगा सहित अवधि 31/3/24 से 31/3/25 तक निम्न सामग्री की निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। केवल पंजीकृत व्यक्ति/फर्म निविदा बंद लिफाफे में डाक के माध्यम से कार्यालय ग्राम पंचायत घांघल में दिनांक 20/08/2024 से 23/08/2024 तक कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। निविदाएं 24/08/2024 को दोपहर 02 बजे ग्राम पंचायत द्वारा निविदादाता या उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति के समक्ष खोली जाएंगी। जिसके लिए निविदादाता को अलग से सूचित नहीं किया जाएगा।

विवरण इस प्रकार से है:-

क्र.	सामग्री का नाम	मात्रा	दर रुपयों में
1.	कैंकर बजरी	10,20,40, 63 एमएम तक	प्रति वर्घनिक मीटर
2.	रेत कैंकर		प्रति वर्घनिक मीटर
3.	रेता प्लांट		प्रति वर्घनिक मीटर
4.	बोल्डर पत्थर		प्रति वर्घनिक मीटर
5.	कट स्टोन		प्रति वर्घनिक मीटर
6.	शटरिंग स्लैब		प्रति वर्घनिक मीटर
7.	शटरिंग दीवार	2,4,, आइरन प्लेट	प्रति स्वघेवर फुट
8.	शटरिंग रास्ते रनिंग में		प्रति दिन किराया
9.	पानी टैंकर कार्यस्थल तक 3000 लीटर		प्रति घराकर
10.	जेसीबी प्रति घंटा		
11.	सामग्री दूरान सड़क से कार्य Mule Carriage बिना जीएसटी दर		
12.	किराया सीमेंट सिथित लघवाई स्टोर से पंचायत स्टोर तक		

निविदाएं देने हेतु शर्तें: - 1. जीएसटी नंबर धारक की निविदाएं जो ग्राम पंचायत द्वारा जारी प्रारूप पर हो वही मान्य होंगी व लेटर पैड साथ में लाना होगा। 2. सामग्री की दरें जीएसटी दरों सहित दें। 3. सामग्री के साथ एम फार्म आवश्यक रूप से देना होगा। 4. कटिंग व ओवर राइटिंग वाली निविदा मान्य नहीं होगी। 5. सामग्री पुरे पंचायत क्षेत्र में जहां तक ट्रेक्टर जाता है वहां तक पहुंचानी होगी, रोड चाहे कच्चा हो या पक्का। 6. पंचायत द्वारा सामग्री मांग करने पर समय पर सामग्री न सही न होने पर स्वीकृत रद्द की जाएगी। 7. सामग्री की अदायगी तकनीकी कर्मचारी द्वारा पास करने उपरांत की जाएगी। 8. सामग्री की अनुमानित मांग आवश्यकता अनुसार बढ़ाई या कम की जा सकती है। 9. पारित निविदादाता की मुवलिंग 10000/-एफडी (सुरक्षित राशि) के रूप में जिस दिन निविदा पास होगी उसी दिन ग्राम पंचायत के पास जमा करवानी होगी यदि समय पूर्ण हो जाता है और कुटेशन धारक सामग्री समय पर देता रहता है तो वर्ष समाप्त होने पर उसे वापस की जाएगी। पंचायत द्वारा जारी प्रारूप मु. 1000/- नॉन रिफंडेबल है।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत घांघल
विकास खंड धनोटू, जिला मंडी (हि.प्र.)

फॉर्म संख्या एनसीएलटी 3ए
राष्ट्रीय कम्पनी लॉ ट्रिब्यूनल के समक्ष, चंडीगढ़ पीठ
सीपी(सीएए) संख्या 20/चंडीगढ़/एचपी/2024
में
सीए(सीएए) संख्या 4/चंडीगढ/एचपी/2024
कम्पनी अधिनियम, 2013 के मामले में
तथा
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 एवं अन्य लागू प्रावधानों के मामले में
तथा
आइनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड ('याचिकाकर्ता कम्पनी 1/अंतरक कम्पनी') और आइनॉक्स विंड लिमिटेड ('याचिकाकर्ता कम्पनी 2/अंतरिती कम्पनी') एवं उनके संबंधित शेयरधारकों के मध्य व्यवस्था की योजना के मामले में

आइनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड
(सीआईएन – L40106HP2020PLC010065)
प्लॉट नंबर 1, खसरा नंबर 264 से 267, औद्योगिक क्षेत्र, गांव बसाल, ऊना,
हिमाचल प्रदेश – 174303, भारत
पैन: AAFCI6084A ...याचिकाकर्ता कम्पनी 1/अंतरक कम्पनी

आइनॉक्स विंड लिमिटेड
(सीआईएन – L31901HP2009PLC031083)
प्लॉट नंबर 1, खसरा नंबर 264 से 267, औद्योगिक क्षेत्र, गांव बसाल, ऊना,
हिमाचल प्रदेश – 174303, भारत
पैन: AACCI0597B ...याचिकाकर्ता कम्पनी 2/अंतरिती कम्पनी

याचिका की सूचना

आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड ('याचिकाकर्ता कम्पनी 1/अंतरक कम्पनी') और आईनॉक्स विंड लिमिटेड ('याचिकाकर्ता कम्पनी 2/अंतरिती कम्पनी') एवं उनके संबंधित शेयरधारकों के मध्य व्यवस्था की योजना (**"योजना"**) के अनुमोदन हेतु कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230–232 के अंतर्गत एक याचिका, याचिकाकर्ता कम्पनियों द्वारा **5 जुलाई, 2024** को राष्ट्रीय कम्पनी लॉ ट्रिब्यूनल की चंडीगढ़ पीठ के समक्ष प्रस्तुत की गई थी और उक्त याचिका पर **6 सितम्बर, 2024** को राष्ट्रीय कम्पनी लॉ ट्रिब्यूनल, चंडीगढ़ पीठ के समक्ष सुनवाई तय की गई है।

याचिकाकर्ता कम्पनी 1 का पंजीकृत कार्यालय क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी पश्चिमी क्षेत्र के 15 मार्च, 2023 के आदेश के माध्यम से गुजरात राज्य से हिमाचल प्रदेश राज्य में स्थानांतरित कर दिया गया था। यह सूचना कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 एवं अन्य लागू प्रावधानों के अनुसार प्रकाशित की गई है।

इस याचिका का समर्थन या विरोध करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को याचिकाकर्ता कम्पनी के वकील को अपने इरादे की सूचना, अपने या अपने वकील द्वारा हस्ताक्षरित, अपने नाम और पते के साथ भेजनी चाहिए, ताकि याचिका की सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि से दो दिन पहले याचिकाकर्ता कम्पनी के वकील तक पहुँच जाए। यदि वह याचिका का विरोध करना चाहता है, तो विरोध के आधार या उसके हलफनामे की एक प्रति ऐसी सूचना के साथ प्रस्तुत की जाए। याचिका की एक प्रति नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर, किसी भी व्यक्ति को, उसकी आवश्यकता पर, प्रदान की जाएगी।

हस्ताक्षर/–
रजत खन्ना / डी. भट्टाचार्य / दीती ओझा
अधिवक्ता
दिनांक: 16 अगस्त, 2024
हाउस नंबर 690, सेक्टर 11–बी, चंडीगढ़ – 160011
यूनिटी लीगल, एस–369, ग्रेटर कैलाश–II नई दिल्ली – 110048
संपर्क नंबर: 9855555154/ 9818499377
ईमेल: rajatkhannaadv@hotmail.com; dhritiman.bhattacharyya@unitylegal.com; deeti.ojha@unitylegal.com

हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
हिम परिवेश, चरण-3 न्यू शिमला-171009

सार्वजनिक सूचना

भारत सरकार द्वारा जारी ई.आई ए.(EIA) अधिसूचना संख्या का.आ. 1533 दिनांक 14.09.2006 के प्रावधानों के अनुसार हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, श्री जगदीश ठाकुर पुत्र श्री हेम राज मकान नंबर 18, वार्ड नंबर 10, गांधीनगर, तहसील और जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश एवं श्री अभयबीर सिंह, पुत्र इंद्र सिंह, ग्राम छांव, पी.ओ. बराड़ा, तहसील टौणी देवी, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश द्वारा मौजा मौहाल जलारी और गलोल, तहसील नादौन, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश के खसरा नंबर 544, क्षेत्रफल 10-03-17 हेक्टेयर(सरकारी भूमि मान खड का नदी तल) से रेत, पत्थर और बजरी @ 1,91,855 एमटीपीए के निष्कर्षण के प्रस्ताव पर सार्वजनिक सुझाव, विचार, टिप्पणियां आमंत्रित करता है। उपरोक्त परियोजना के संदर्भ में कार्यकारी सारांश (हिन्दी व अंग्रेजी) में तथा परियोजना के पर्यावरण प्रभाव निर्धारण रिपोर्ट (अंग्रेजी) में परियोजना प्रस्तावक श्री जगदीश ठाकुर पुत्र श्री हेम राज मकान नंबर 18, वार्ड नंबर 10, गांधीनगर, तहसील और जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश एवं श्री अभयबीर सिंह, पुत्र इंद्र सिंह, ग्राम छांव, पी.ओ. बराड़ा, तहसील टौणी देवी, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश, द्वारा सर्व संबंधित अवलोकनार्थ हेतु प्रस्तुत किए गए हैं।

स्थानीय प्रभावित व्यक्ति एवं परियोजना की पर्यावरणीय प्रभावों के अन्य समुचित स्वायतधारी परियोजना के प्रबंधकों द्वारा प्रस्तुत कार्यकारी सारांश (हिन्दी व अंग्रेजी) में तथा परियोजना के पर्यावरण प्रभाव निर्धारण रिपोर्ट प्रारूप ई. आई. ए. रिपोर्ट प्रारूप (अंग्रेजी में) की जांच हेतू : (1) निदेशक, पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, पर्यावरण भवन, नजदीक यू0 एस0 क्लब, शिमला हिमाचल प्रदेश-171001 (2) जिला दण्डाधिकारी हमीरपुर जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश (3) अध्यक्ष जिला परिषद हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश (4) जिला औद्योगिक केन्द्र हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश (5) क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, पियर्सन रोड, एफ0आर0आई0 कैम्पस, न्यू फोरेस्ट देहरादून-248006 व (6) क्षेत्रीय अधिकारी, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश व (7) मुख्य कार्यालय, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, हिम परिवेश चरण-3 न्यू शिमला-171009, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस पर सामान्य दैनिक कार्